बांद्रा-कोलाबा-सीप्ज मेट्रो -3 का जियोलॉजिकल सर्वे शुरू

Neeraj.Tiwari
@timesgroup.com

■ मुंबई : बांद्रा-कोलाबा-सीप्ज मेट्रो-3 का निर्माण कार्य दीवाली से पहले शुरू किया जाना है। इसके लिए निर्माण कार्य शुरू करने से पहले जमीन के तत्वों की जानकारी के लिए जियोलॉजिकल सर्वे किया जा रहा है। बता दें कि बांद्रा-कोलाबा-सीप्ज के बीच बनाई जाने वाली मेट्रो-3 लाईन का निर्माण कार्य दीवाली से पहले शुरू किया जाना है। इसके निर्माण कार्य के लिए मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 18000 करोड़ का ठेका अलग-अलग 7 कंपनियों को दिया जा चूका है । निर्माण कार्य शुरू करने से पहले जमीन में मौजूद तत्वों और अन्य पदार्थों की जानकारी के लिए मेट्रो-3 लाइन के इलाकों का जियोलॉजिकल सर्वे किया जा रहा है,ताकि यह जांच की जा सके कि उस इलाके में किस तरह से मजबूत काम किया जा सकता है। एमएमआरसीएल के अनुसार यह सर्वे आजाद मैदान, रेसकोर्स, बीकेसी, कफ परेड, विधान भवन स्थानों पर शुरू है। बता दें कि मेट्रो-3 लाइन पूरी तरह भूमिगत होगी। इसलिए जियोलॉजिकल सर्वे वह रिपोर्ट देगा कि कहां ड्रिलिंग करनी है कहां किस तरह के पिलर्स बनाने हैं कि निर्माण को मजबूती मिल सके। मेट्रो-3 के निर्माण कार्य का असर नजदीक के परिसर में ना पड़े इसके लिए ऑस्ट्रेलियन तरीका अपनाया जाएगा। इसमें टनेल बोरींग मशीन और न्यू ऑस्ट्रेलियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) का उपयोग किया जाएगा। इस तरीके से जमीन के भीतर मौजूद चट्टान कितनी मजबूत है और कितना भार सह सकेगी इसकी जानकारी मिलती है। इससे पिलर बनाने और टनल की डिजाईन बनाने में आसानी होती है।

क्या है जियोलॉजिकल सर्वे

जियोलॉजिकल सर्वे से जमीन और स्थिति की वास्तविकता का पता चलता है। जैसे की जमीन दलदली है या पठारी। इस पर किस तरह का निर्माण किया जाए तो टिकाऊ होगा। साथ ही यदि किसी इलाके में खुदाई की जा रही है तो नजदीकी परिसर में इसका क्या असर पड़ेगा। इसकी जानकारी जियोलॉज़िकल सर्वे से मिलती है। इसलिए किसी भी निर्माण कार्य से पहले जमीन का जियोलॉजिकल सर्वे अति आवश्यक होता है।

मेट्रो -3
कोलाबा - बांद्रा - सीप्ज
2021 तक होना है तैयार
33.5 किलोमीटर लंबी भूमिगत लाइन
कुल स्टेशन -27